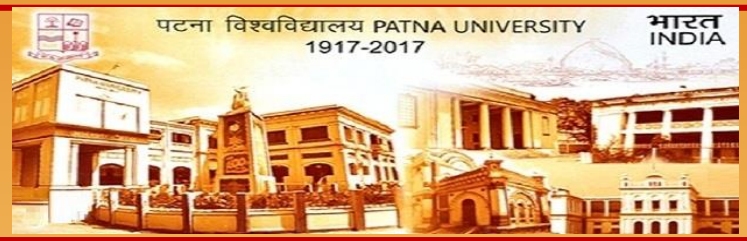


## Patna University In News (03.01.2023)

दैनिक भास्कर

### पीयू • वेबसाइट पर थीसिस अपलोड के लिए गूगल फॉर्म का लिंक जारी

# थीसिस जमा करने के एक महीने के अंदर अपलोड करनी होगी सॉफ्ट कॉपी

एजुकेशन रिपोर्ट | पटना

पटना विश्वविद्यालय में शोध कार्य कर रहे पीएचडी के छात्रों के लिए विवि की वेबसाइट पर शोध गंगा (इनफ्लिबनेट) पर थीसिस जमा करने के एक महीने के भीतर सॉफ्टकॉपी को अपलोड करना होगा। विवि के द्वारा इसके लिए वेबसाइट पर गूगल फॉर्म का लिंक जारी किया गया है। छात्रों को स्वयं ही फॉर्म में जरूरी जानकारियों को भरकर सॉफ्ट कॉपी को अपलोड करना होगा। विवि थीसिस को शोध गंगा पर अपलोड करेगा। शोध गंगा इनफ्लिबनेट पर शोध छात्र की थीसिस हमेशा मौजूद रहेगी। इसके अतिरिक्त उसकी एक हार्ड व सॉफ्ट कॉपी पीजी विभाग में, एक लाइब्रेरी में और एक छात्र के पास हमेशा के लिए रहेगी।

## पीएचडी थीसिस की प्लेगरिज्म टेस्ट कराना अनिवार्य

इससे पहले छात्रों को प्लेगरिज्म टेस्ट कराना अनिवार्य है। शोध गंगा पर हजारों थीसिस मौजूद रहते हैं इसलिए अगर कोई शोध छात्र किसी की थीसिस को कॉपी(प्लेगरिज्म) करके जमा करते हैं तो वह तुरंत सॉफ्टवेयर से पकड़ में आ जाएगा। प्लेगरिज्म टेस्ट में फेल होने पर यूजीसी संबंधित शोध छात्र की पीएचडी कभी भी रिजेक्ट हो सकती

है। वहीं विवि स्तर पर भी कार्रवाई हो सकती है। इसलिए प्लेगरिज्म टेस्ट में पूरी तरह से सफल होने के बाद ही थीसिस अपलोड करना जरूरी है। हालांकि पीएचडी टेस्ट के लिए विवि भी चौकस है। पीएचडी थीसिस प्लेगरिज्म टेस्ट के लिए पीयू के सेंट्रल लाइब्रेरी में सॉफ्टवेयर के माध्यम से टेस्ट की व्यवस्था है। वहां पर पांच सौ रुपये शुल्क जमा करके विवि के पीएचडी छात्र अपना टेस्ट करा सकते हैं। टेस्ट के बाद सर्टिफिकेट जारी होने के बाद ही विवि में फाइनल थीसिस जमा होगा।

*अब तक 1600 थीसिस का प्लेगरिज्म टेस्ट हो चुका है। जितने भी थीसिस जमा हुए हैं, उनमें दस प्रतिशत में अधिक प्लेगरिज्म पाया गया जिसे शोध छात्रों को सुधार के लिए दे दिया गया है। बाद में उन्होंने सुधार कर उसे जमा किया। इस प्रकार से विवि में अब तक सभी थीसिस प्लेगरिज्म रहित जमा हो रहे हैं। छात्रों को फाइनल थीसिस जमा करने के एक महीने के भीतर गूगल फॉर्म जो विवि के वेबसाइट पर लिंक के माध्यम से उपलब्ध है, उसे भरकर थीसिस की सॉफ्ट कॉपी अपलोड कर देनी है। विवि फाइनल थीसिस को शोध गंगा पर अपलोड कर देगी।*

**डॉ अशोक झा,** असिस्टेंट लाइब्रेरियन, सेंट्रल लाइब्रेरी व प्लेगरिज्म टेस्ट इंचार्ज, पीयू

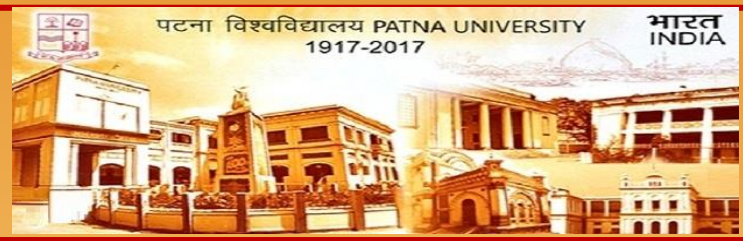


## Patna University In News (03.01.2023)

दैनिक जागरण

# पीयू की सवा एकड़ जमीन पर मेट्रो का निर्माण

पटना विश्वविद्यालय की लगभग 1.21 एकड़ जमीन पर मेट्रो का निर्माण जारी है। अशोक राजपथ पर बहुत तेजी से मेट्रो का निर्माण कराया जा रहा है। मेट्रो का मुख्य स्टेशन साइंस कालेज में होगा। आने वाले समय में मेट्रो से सबसे अधिक फायदा पटना वि. के विद्यार्थियों को होने वाला है। यहां प्रतिदिन जिले भर से हजारों विद्यार्थी या तो बाइक या फिर आटो और बस से पढ़ने आते हैं। इसके निर्माण से स्थानीय लोगों के साथ पटना सिटी क्षेत्र में आने-जाने वाले लोगों को फायदा होगा। इसके निर्माण में पटना विश्वविद्यालय के बीएन कालेज का मुख्य छात्रावास, प्राचीन इतिहास विभाग, पटना कालेज, भूगोल विभाग, केंद्रीय पुस्तकालय, साइंस कालेज की जमीन जा रही है। इसमें पटना विश्वविद्यालय के दोनों शताब्दी द्वार को तोड़कर फिर से नया द्वारा बनाया जा रहा है। सबसे अधिक पटना विश्वविद्यालय और केंद्रीय पुस्तकालय की 1,428 स्कवायर फीट जमीन मेट्रो निर्माण में जा रही है।

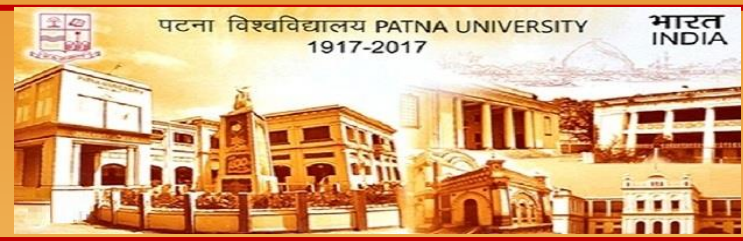


## Patna University In News (03.01.2023)

दैनिक भास्कर

3/1/23 DB

# अच्छे कार्यों के लिए बीएन कॉलेज के प्राचार्य सम्मानित

सिटी रिपोर्टर | पटना

बीएन कॉलेज के प्राचार्य राजकिशोर प्रसाद को साइंस कॉलेज में प्राचार्य रहने के दौरान उनके द्वारा किए गए बेहतर कार्यों के लिए पूर्व छात्रसंघ ने सम्मानित किया। पटना विश्वविद्यालय छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष मनीष और बाकी छात्रों ने मिलकर उनके अच्छे कार्यों के लिए बधाई दी। मौके पर मनीष ने कहा कि प्राचार्य राजकिशोर यादव जी ने अपने कार्यकाल में विश्वविद्यालय में शैक्षणिक माहौल बनाने में एक अहम भूमिका निभाई है। उसके सकारात्मक व्यवहार से छात्र- छात्राओं और शिक्षकों में उत्साह का माहौल भी कायम रहा है। कक्षाएं समय पर चलने लगी हैं। कॉलेजों में पर्यावरण को बढ़ावा देने में भी प्राचार्य ने अपना अहम योगदान दिया है। मौके पर जाप के पूर्व प्रत्याशी दीपंकर प्रकाश, जाप के पटना विश्वविद्यालय अध्यक्ष शांतनु यादव छात्र नेता हिमांशु यादव आदि मौजूद रहे।